www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

बुधवार
27 जुलाई 2022, नोएडा, नगर संस्करण

• पांच प्रदेश • 21 संस्करण

धवन के नेतृत्व में आज वेस्टइंडीज को क्लीन स्वीप करने उतरेगी टीम इंडिया

प्रक्रिया | नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की बोर्ड बैठक में रखा जाएगा प्रस्ताव, जेवर एयरपोर्ट में माल ढुलाई के लिए अलग से बनेगा रनवे

जेवर एयरपोर्ट में एक और एसपीवी बनाने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) की बोर्ड बैठक तीन अगस्त को लखनऊ में होगी। बैठक में जेवर एयरपोर्ट में कार्गो के लिए एक और एसपीवी (स्पेशल परपज व्हीकल) बनाने पर मुहर लग सकती है। विकासकर्ता कंपनी ने एक और एसपीवी बनाने का प्रस्ताव दिया है। एयरपोर्ट में कार्गो का हब बनेगा। इसके लिए अलग से रनवे भी बनेगा।

आईजीआई एयरपोर्ट का करीब 55 प्रतिशत कार्गो जेवर में स्थानांतरित होने की उम्मीद है। जेवर एयरपोर्ट के विकास की जिम्मेदारी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपील) के पास है। इस कंपनी ने नियाल को एक प्रस्ताव दिया है। प्रस्ताव के मुताबिक, वह कार्गो के लिए एक और एसपीवी बनाना चाहती है। इसके लिए अनुमति मांगी है। इससे कार्गो का काम और बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। नियाल की बोर्ड बैठक तीन अगस्त को लखनऊ में प्रस्तावित है। इस बोर्ड बैठक में यह प्रस्ताव रखा जाएगा। अगर यह प्रस्ताव पास होता है तो इसे प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग एंड इंप्लीमेंटेशन कमेटी में रखा जाएगा। यहां से यह प्रस्ताव कैबिनेट में भेजा जाएगा। कैबिनेट की मुहर के बाद ही एसपीवी बनाने की अनुमति मिलेगी।

मशीनरी व कपड़ा सबसे अधिक जाता है : कार्गो के लिए 2017 में एक रिपोर्ट तैयार की गई थी। उसके मुताबिक, आईजीआई एयरपोर्ट से सालाना 10 लाख टन कार्गो जाता है। इसमें से 75 प्रतिशत कार्गो दिल्ली एनसीआर का होता है। इसमें से 51 प्रतिशत की हिस्सेदारी अकेले गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर जिले की है। आईजीआई एयरपोर्ट में पिछले 5 सालों में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। आईजीआई से 30 प्रतिशत घरेलू और 70 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय कार्गो का काम होता है। बाकी कार्गो आगरा, जयपुर, जोधपुर, कानपुर, वाराणसी, चंडीगढ़, लुधियाना आदि शहरों से आता है। इसमें से 69 प्रतिशत मशीनरी, 15 प्रतिशत कपड़ा व 16 प्रतिशत अन्य सामान होता है।

2.25 मिलियन टन कार्गो जेवर एयरपोर्ट से 2026 में जाने की संभावना है

55 प्रतिशत कार्गो आईजीआई एयरपोर्ट जेवर में स्थानांतरित होने की उम्मीद है

हर साल 10 प्रतिशत कार्गो बढ़ने की उम्मीद

रिपोर्ट के मुताबिक, जेवर एयरपोर्ट से 2026 में 2 .5 मिलियन टन कार्गो का कारोबार होगा। इसमें हर साल 9 से 10 प्रतिशत तक वृद्धि होगी। जेवर में अकेले गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद से 51 प्रतिशत कार्गो शिफ्ट हो जाएगा। रिपोर्ट बताती है कि आईजीआई का 55 प्रतिशत कार्गो जेवर में शिफ्ट होने की उम्मीद है। यह कार्गो पर बड़ा हब बनेगा। इसको लेकर जेवर एयरपोर्ट पर एसपीवी बनाने का प्रस्ताव दिया है। एयरपोर्ट में कार्गो का हब बनेगा। इसके लिए अलग से रनवे भी बनेगा। यह प्रस्ताव कैबिनेट में भेजा जाएगा।

आईजीआई एयरपोर्ट का आंकड़ा

मद	आंकड़ा प्रतिशत में
घरेलू कार्गो	30
अंतरराष्ट्रीय कार्गो	70
मशीनरी	69
कपड़ा	15
अन्य कागो	16

"नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की बोर्ड बैठक तीन अगस्त को लखनऊ में होगी। बैठक में कई प्रस्ताव रखे जाएंगे। बोर्ड के निर्णय के अनुसार आगे बढ़ाया जाएगा।

डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ नियाल